

[श्री मुल्की राज सैनी]

और उसके खत्म होने पर ही हड़ताल होगी लेकिन अब अलग अलग नाम निकले हैं, लाइटनिंग स्ट्राइक, वाइल्ड कैंट स्ट्राइक, 24 घंटे के नोटिस की स्ट्राइक, हम गांवों में कहते थे जो किसानों के पास नौकर काम करते थे कि उसका कोई समय नहीं होता है जाने का, रोटी खाने गया तो लौट कर नहीं आया। हम उसको कहते थे कि नोटिस तो दिया नहीं और आपकी मिसाल हम उसको देते थे। आप नोटिस दिया करते थे। अब आपने तय कर लिया है कि वह भी न दिया जाए। जैसे किसान का नौकर चादर उठा कर चला जाता है वैसे ही आपने भी कर दिया है। यह कौन सी डेमोक्रेसी है, कैसा यह ट्रेड यूनियन मूवमेंट है और किस देश में ऐसा हो रहा है। क्या चीन और रूस में हो रहा है। वहां अगर आप ऐसा करते तो आपको गोलियों से उड़ा दिया जाता। यहां जो डेमोक्रेसी है उसका आप बेजा फायदा उठा रहे हैं। गरीबों के लिए कुछ नहीं होता है, फेवर्ड के लिए होता है। जो बड़ी बड़ी तनख्वाहें पाते हैं, पांच सौ, हजार या दो दो हजार वही हड़ताल कर रहे हैं। गरीबों की न कोई आवाज है और न उनका संगठन है, न उनको कोई उठाने वाला है। मेरी दरख्वास्त है कि इंडियन वर्कर के अन्दर उस वर्कर को ले आओ, जो खेत किसान है, खेत मजदूर है और उसकी आमदानी बढ़ाओ। देश की जो पिछड़ी हुई, दबी हुई, शोषित जनता है उसको शामिल इसमें कर लो। यदि आपने ऐसा किया और इस तरह से आप चले तो आप इस तरह का अधूरा रेजोल्यूशन ला कर उस पर वहस नहीं करेंगे बल्कि सारे राष्ट्र की आय को देख कर, राष्ट्र की प्रोडक्शन को देख कर उसका बंटवारा सही सही आप करेंगे। जब आप उसको देखेंगे तो शायद आप अपने को गलती पर पाएंगे।

17.39 hours

MOTION RE : CONTEMPT OF THE HOUSE

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH) : With your permission, Sir, I move :

"This House resolves that the persons calling themselves Shyam Charan and Ram Murti Pandey who shouted from the Visitors' Gallery and attempted to throw some leaflets from there on the floor of the House at 12.02 hours today and whom the Watch and Ward Officer took into custody immediately have committed a grave offence and are guilty of the contempt of this House.

This House further resolves that they be sentenced to simple imprisonment till 6 P.M. on the 22nd December, 1973 and sent to Central Jail, Tihar, New Delhi."

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) : Sir, this Resolution should have been circulated. If they want to be fair and if somebody comes to ventilate his grievance in a peaceful manner in the Gallery, although I do not say it is desirable and although I do not say that this should be encouraged, the House cannot take a vindictive attitude.

So, my amendment is :

"That the person involved be set free at once".

I shall tell you something more. This is a House of the representatives of the people and you know that in the last few years Section 144 has gone on extending. A demonstration comes, as we have seen to-day, the Delhi Teachers' agitation came, but it could not come to Lok Sabha. It has become a *paralok Sabha* and it is no longer the Lok Sabha because people cannot come here. Therefore, I move that instead of these gentlemen being detained till 6 p. m. tomorrow, they be set free at once.

SHRI K. RAGHU RAMAIAH :
Two gentlemen.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Both of them including the hon. Minister, making it three in all.

श्री मधु लिये (वांका) : सभापति महोदय, मैं इतना ही कहना चाहता हूँ कि जब सरकार पब्लिक एकाउंट्स कमेटी के सामने गलतबयानी करने वाले अफसर को छः बजे तक भी जेल में रखने के लिए तैयार नहीं थी, तो क्या वजह है कि संसद् कार्य मंत्री इस मामले में इतना उत्साह दिखा रहे हैं। उस दिन मैंने कहा, तो एक दिन पर आये, वना पहले सात सात दिन की सजा लड़कों को होती थी। उन को आज छः बजे तक रखा जाये और जैसे ही हम उठें उनको भी छोड़ दिया जाये।

श्री एस० एम० बनर्जी (कानपुर) : सभापति महोदय, मैं उसको अच्छा नहीं समझता हूँ कि यहाँ पर कोई लीफ्लेट फेंकने की कोशिश करे। लेकिन इस घटना से पता लगता है कि लोगों का धीरज किस हद तक खत्म हो गया है। यह तो हिन्दुस्तान है, यहाँ के लोगों के सन्न की इत्हा नहीं है। क्या केवल कागज फेंकने पर — उन्होंने कोई पत्थर नहीं फेंका है — कैद की सजा दी जानी चाहिए? आज लोग लोक सभा के पास नहीं आ सकते हैं। कमसे कम लोगों को लोकसभा तक आने की परमिशन मिलनी चाहिए। लोक सभा के चारों तरफ दफा 144 लगी हुई है। लोग कहते हैं “डिमांस्ट्रेशन विफोर पार्लियामेंट”। तो पार्लियामेंट कहां है? वोट क्लब। सभापति महोदय, आपने बहुत जमाना पहले डिमांस्ट्रेशन किये थे। आज तो “डिमांस्ट्रेशन विफोर पार्लियामेंट” का मतलब है “डिमांस्ट्रेशन विफोर वोट क्लब।” वहां से पार्लियामेंट नज़र भी नहीं आती है। आज लोगों के दिल में क्रोध है उन नौजवानों ने जो कुछ किया है। मैं उस का हूँ समर्थन नहीं करता हूँ मेरा

एमेंडमेंट यह है कि

He should be reprimanded and released immediately.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: No reprimand.

MR. CHAIRMAN: Now, I shall put Shri Jyotirmoy Bosu's amendment to the vote of the House. Those in favour may say 'Aye'.

SOME HON. MEMBERS: Aye.

MR. CHAIRMAN: Those against may say 'No'.

SOME HON. MEMBERS: No.

MR. CHAIRMAN: The 'Noes' have it. . .

SHRI JYOTIRMOY BOSU: The 'Ayes' have it. . .

MR. CHAIRMAN: All right. Let the Lobby be cleared—

Now, the Lobby has been cleared. I shall put Shri Jyotirmoy Bosu's amendment to vote.

The question is :

“That the amendment moved by Shri Jyotirmoy Bosu to the motion moved. . .

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Please read out the amendment, Sir.

MR. CHAIRMAN: I am showing a favour to the hon. Member by putting it to vote. He has not given me the amendment in writing.

The question is :

“That the amendment moved by Shri Jyotirmoy Bosu to the motion moved by Shri K. Raghu Ramaiah be accepted by the House”.

The motion was negatived.

MR. CHAIRMAN: The question is :

“This House resolves that the persons calling themselves Shyam Charan and Ram Murti Pandey who shouted from the Visitors' Gallery and attempted to throw

[Mr. Chairman]

some leaflets from there on the floor of the House at 12.02 hours today and whom the Watch and Ward Officer took into custody immediately have committed a grave offence and are guilty of the contempt of this House.

This House further resolves that they be sentenced to simple imprisonment till 6 P.M. on the 22nd December, 1973 and sent to Central Jail, Tihar, New Delhi".

The motion was adopted.

17.47 hrs.

RESOLUTION RE: NEED-BASED MINIMUM WAGES FOR WORKERS
—Contd.

श्री वसंत साठे (अकोला) : सभापति महोदय, अभी जिस प्रस्ताव पर बहस हो रही थी, उसका आशय यह है कि हिन्दुस्तान के नव श्रमिकों को न्यूनतम वेतन मिलना चाहिए। मैं इस प्रस्ताव का स्वागत करता हूँ, क्योंकि इस के द्वारा हमें इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने का मौका मिला है।

श्री जगन्नाथ राव जोशी (गाजापुर) : सभापति महोदय, मेरा धायंट आफ आर्डर है। इस प्रस्ताव के लिए दो घंटे का समय रखा गया है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस पर बहस कब तक चलेगी।

श्री एस० एम० बनर्जी : सभापति महोदय हम लोगों को इन्टिमेशन मिला है कि श्री चन्द्रप्पन का प्लेन या ट्रेन लेट है और वह 7 बजे तक पहुंचेंगे। इस लिए उनका डिस्कशन कल के लिए रख दिया जाये।

सभापति महोदय : मैंने श्री साठे को बुलाया है। उनके बाद मिनिस्टर साहब बोलेंगे और फिर माननीय सदस्य जबाब देंगे। इसमें थोड़ा समय लग जायेगा। हाफ-एन-आवर डिस्कशन कल नहीं होगा।

श्री वसंत साठे : मैं इस विषय पर यह कहना चाहता था कि इस देश में इस बात पर विचार करने का आप ने मौका दिया ...

श्री अटल बिहारो वाजपेयी (ग्वालियर) : सदन की कार्यवाही कब तक आज चलगी?

सभापति महोदय : साठे छः सात तक खत्म हो जायेगी।

श्री अटल बिहारो वाजपेयी : यह कहाँ तक हुआ है कि साठे छः तक सदन चलेगा?

MR. CHAIRMAN: The House will adjourn at 6.30.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): I seek a clarification. If the half-hour discussion is not raised by Shri Chandrappan who, I am told, is not present in Delhi — he cannot come — this resolution could continue till 6.30.

MR. CHAIRMAN: No.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Then what will you do?

MR. CHAIRMAN: It was decided that we would take up the half-hour discussion at 6 p.m. You know it is not yet 6 p.m. So, I have called Mr. Sathe, and everybody is obstructing his speech.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: The Minister has to reply; the Mover will have to reply.

MR. CHAIRMAN: They will take only a little time. (Interruptions)

7 मिनट देर कर के यह कार्यवाही शुरू हुई थी और दस मिनट इसी में लग गए डिबीजन वगैरह में। तो 17 मिनट वह हुआ। इस तरह से 6-17 तक खत्म हो जाएगा या नहीं हुआ तो आगे चलेगा।

श्री वसंत साठे : मैं यह कह रहा था कि यह एक अच्छा मौका है इस बात पर विचार करने का। इस देश में सारो जो एक हमारी नीति है श्रम वेतन के बारे में उस पर हम सोचें। इस प्रस्ताव में यह कहा गया है कि हिन्दुस्तान क जितने श्रमिक हैं उनमें यह नहीं कहा है कि श्रमिक केवल उद्योगों में काम करने वाले हैं, जहाँ तक